

Sl. No.	State/UT	VIII Plan Allocation	Release of funds (1992-94)
2	Chandigarh	1.00	0.25
3	Dadara & Nagar Haveli	1.00	0.2
4	Delhi	17.50	2.00
5	Daman & Diu	1.00	0.25
6	Lakshadweep	2.00	0.25
7	Pondichery	3.00	1.00
Total		860.51	234.09

Expenditure on Diet and Medical care in Navodaya Vidyalayas

*253. SHRI VIRENDRA KATARIA: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) what is the per capita expenditure on students in Navodaya Vidyalayas on diet and medical care ; and

(b) whether Government are aware that poor quality of food is provided to students in Navodaya Vidyalayas, and if so, what steps are proposed to be taken to ensure good quality of food for the students ?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH) :

(a) The per capita expenditure is Rs. 350 per month per student and on medicines and other miscellaneous expenses is Rs. 60.00 per student per year when schools are open.

(b) Navodaya Vidyalaya Samiti has informed that all efforts are made to provide good quality food to the children. Some of the major steps taken by Navodaya Vidyalaya Samiti for improving the quality of food are—creation of posts of catering assistants, surprise visits by Senior Officials, Association of two boys and two girls in the Mess Committee of each Vidyalaya.

गन्ने का भारी मात्रा में उत्पादन

*254. श्री आशु मोहम्मद :

श्री ईश बल्ल बालक :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गत तीन वर्षों के दौरान गन्ने का भारी उत्पादन हुआ;

(ख) यदि हाँ, तो उक्त अवधि में किन-किन राज्यों ने गन्ने का अधिकतम उत्पादन किया;

(ग) उपरोक्त अवधि के दौरान इन राज्यों में राज्यवार गन्ने की अधिकतम और न्यूनतम कीमतें क्या थीं;

1 AA DCO rK/TW/0<

(घ) क्या चीनी मिलों ने गन्ने के कुल उत्पादन का पूर्ण उपयोग किया है;

(ङ) यदि नहीं, तो तत्संबंधी कारण क्या है और चीनी मिलों द्वारा उपयोग में लाए गए गन्ने और बरबाद हुए गन्ने की मात्रा का अलग-अलग ब्योरा क्या है;

(च) गन्ने के सम्पूर्ण उत्पादन के उपयोग के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं या उठाने का विचार है;

(छ) 1994-95 के दौरान गन्ने के उत्पादन का क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है और गत वर्ष की तुलना में इसमें कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है; और

(ज) गन्ने की खेती हेतु राज्यों को क्या प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं ?

कृषि मंत्री (श्री बलराम जाखड़) : (क) गत तीन वर्षों के दौरान गन्ने का उत्पादन इस प्रकार रहा :—

1991-92	: 254.0 मिलियन मीटर टन
1992-93	: 230.8 मिलियन मीटरी टन
1993-94	: 233.0 मिलियन मीटरी टन (अन्तिम)

(ख) गन्ना उत्पादन करने वाले प्रमुख राज्य आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिल नाडु, और उत्तर प्रदेश हैं।

(ग) उपरोक्त पैराग्राफ (ख) में उल्लिखित राज्यों में 1991-92 से 1993-94 की अवधि के दौरान भुगतान किए गए गन्ने के मूल्यों का ब्योरा संलग्न विवरण में दिया गया है (नीचे देखिए)।

(घ) और (ङ) गन्ने के कुल उत्पादन को चीनी मिलों द्वारा अथवा गूड़ या खाण्डमारी इकाइयों द्वारा पूर्णतया उपयोग कर लिया गया है। गन्ने के नष्ट होने के बारे में कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। चीनी के निर्माण के लिए उपयोग किए गए गन्ने की अनुमानित प्रतिशतता 1991-92 में 52.8 प्रतिशत, 1992-93 में 44.6 प्रतिशत और 1993-94 में 42.0 प्रतिशत आंकी गई है।

(च) सरकार और अधिक चीनी मिलों की स्थापना करने और विशाल चीनी मिलों की क्षमता को बढ़ाने तथा उनका नवीकरण करने के लिए स्वीकृति दे रही है ताकि गन्ने के उत्पादन को पूर्णतया उपयोग करने के लिए चीनी मिलों की समग्र क्षमता में सुधार किया जा सके। सरकार चीनी मिलों द्वारा 1 अक्टूबर से 15 नवम्बर तक गन्ने की शीघ्र पैदाई और मई तथा जून में देर से पैदाई के लिए भी प्रोत्साहन दे रही है।